हिन्दुस्तान 13-06-2017

भूटान में डिस्टिलरी की क्षमता बढ़ाएगा एनएसआई

कानपुर | कार्यालय संवाददाता

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में सोमवार को पहुंची भूटान की टीम के साथ निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन व अन्य अधिकारी। • हिन्दुस्तान

भूटान में डिस्टिलरी की तकनीकी क्षमता को बढ़ाने में अब इंडिया उनकी मदद करेगा। कानपुर स्थित राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में इसको लेकर तीन सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (कोर्स) चलाया जाएगा, जिसमें भूटान के तकनीकविदों को एल्कोहल टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी दी जाएगी।कोर्स पूरे साल निरंतर अंतराल पर चलता रहेगा।

यह बात राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताई। उन्होंने बताया कि सोमवार को भूटान सरकार के साथ एनएसआई ने एक साल का अनुबंध किया है। इस अनुबंध के तहत संस्थान भूटान में डिस्टिलरी को मजबूत करने के लिए वहां की तकनीकी क्षमता को बढ़ाने में मदद करेगा। तीन सप्ताह के विशेष कोर्स में निरंतर अंतराल पर भूटान से अलग-अलग प्रतिनिधि मंडल आएंगे, जिन्हें एनएसआई के विशेषज्ञ प्रशिक्षित करेंगे। इस कार्यक्रम में भूटान को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण दिया जा रहा है क्योंकि वहां सिर्फ चावल से एल्कोहल का निर्माण होता है।

प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि भूटान अपनी डिस्टलरियों में विशेषज्ञों की कमी महसूस कर रहा है। इसके चलते भूटान ने प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने के लिए एनएसआई के साथ एक साल का अनुबंध किया है। इस अनुबंध के तहत भूटान सरकार तीन सप्ताह के विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (कोर्स) के लिए साढ़े चार लाख रुपये देगी।

एनएसआई के विशेषज्ञ भूटान के तकनीकविदों को डिस्टलरियों की तकनीकी क्षमता बढ़ाने, रखरखाव के लिए प्रशिक्षित करेंगे। प्रथम चरण में घेलुपू व सेंटेनियल डिस्टलरी, भूटान में काम करने वाले आठ तकनीकीविद आए हैं। इन्हें ब्वायलर आपरेशन, एनालिटिकल प्रैक्टिसेज एंव फर्मेंटेशन, डिस्टिलेशन प्रक्रिया संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा। भूटान से आए छात्रों को मुख्य रूप से ब्रेवरी व इथेनॉल यूनिट में विशेषज्ञ जानकारी देंगे।

दैनिक जागरण 13-06-2017

भूटान को ट्रेनिंग दे रहा है NSI

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

भूटान के डेलीगेशन के साथ एनएसआई के अधिकारी.

kanpur@inext.co.in

KANPUR (12 June): पड़ोसी मुल्क भूटान पर्यावरण के प्रति काफी सजग रहता है. यही वजह है कि वर्ल्ड का अकेला निगेटिव कार्बन कंट्री है. भूटान की डिस्टलरी में अभी तक चावल की टूटन से ही एल्कोहल बनाई जा रही है. लेकिन अब नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट भूटान के डिस्टलरी टेक्निकल इम्प्लाइज को चुकंदर, मीठी चरी से भी वाइन बनाने की ट्रेनिंग देगा. यह जानकारी नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी डायरेक्टर प्रो नरेन्द्र मोहन ने दी. भूटान गवर्नमेंट से एक साल का अनुबंध किया गया है जिसमें भूटान की दोनों डिस्टलरी के स्टाफ को ट्रेनिंग दी जाएगी.

फर्स्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम मंडे से शुरू कर दिया गया है. भूटान से ट्रेनिंग के लिए एनएसआई में 8 मेंबर्स का एक डेलीगेशन आया है. तीन सप्ताह तक यह ट्रेनिंग चलेगी. ट्रेनिंग प्रोग्राम में डॉ. संतोष कुमार, विनीता सोमल, सोनम डोरजी मौजूद रहे.

The Pioneer 13-06-2017

Training programme for personnel from Bhutan

KANPUR: A three-week training programme for distillery personnel from Bhutan took off on Monday at the National Sugar Institute, Kanpur and Army Welfare Project (a Royal Government of Bhutan Undertaking). The two had reached to an understanding for providing required training to the distillery personnel on various operations in a grain based distillery. During the first phase, eight distillery personnel from Ghelupu and Centennial Distillery, Bhutan shall participate in the training programme. This was informed by the Director of NSI, Prof Narendra Mohan on Monday. He said Bhutan not only required alcohol technologists but also the skilled operation staff for smooth operation and maintenance of the plants. He said three students of Bhutan had already taken admission in the Alcohol Technology Course conducted by the Institute and now during the first phase of the series of such training programmes, the operational staff wil undertake training on 'Boiler Operation', 'Analytical Practices' and on 'Fermentation & Distillation Operations'. He said the training programme had been designed keeping in view that in Bhutan, alcohol was produced from rice only. He said apart from theoretical knowledge, practical training will be imparted to the participants at the newly developed Brewery & Ethanol Unit of the institute apart from visit to some industrial units.

My City 13-06-2017

भूटान को शराब बनाना सिखाएगा एनएसआई

कानपुर (ब्यूरो)। भूटान सरकार ने नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) से सोमवार को अहम समझौता किया। वहां की सैन्य कल्याण परियोजना के तहत एनएसआई में भूटान के तकनीकी विशेषज्ञों को डिस्टिलरियों (अनाज से शराब बनाने की प्रक्रिया) की आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा। भूटान में चावल से शराब बनाई जाती है। इसमें बेहतर तकनीक के लिए वहां की आठ सदस्यीय टीम यहां तीन सप्ताह तक प्रशिक्षण प्राप्त करेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से शुरू भी हो गया। इस अवसर पर एनएसआई के डायरेक्टर प्रो. नरेंद्र मोहन, डॉ. संतोष कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।